

## Taittirya SamhitA – TS 4 Sanskrit Corrections – Observed till 31st January 2021

(ignore those which are already incorporated in your book's version and date)

| Section, Paragraph Reference                                       | As Printed                         | To be read as or corrected as      |
|--|------------------------------------|------------------------------------|
| TS 4.1.3.2 - Vaakyam<br>Line No. – Last Line<br>Panchaati No. – 11 | त॑मु॒ त्वा॑ द॒द्ध्य॑ङ् ऋ॒षिः॑      | त॑मु॒ त्वा॑ द॒द्ध्य॑ङ् ऋ॒षिः॑      |
| TS 4.1.4.4<br>Line No. – 3<br>Panchaati No. – 17                   | नि॒षी॑द॒न्नो॒ अप॑ दु॒र्मति॑ꣳ       | नि॒षी॑द॒न्नो॒ अप॑ दु॒र्मति॑ꣳ       |
| TS 4.2.3.1<br>Panchaati 10<br>7 <sup>th</sup> line last statement  | दु॒वस्य॑त॒ घृ॒तैर्बो॑ध॒यता॑तिथिं । | दु॒वस्य॑त॒ घृ॒तैर्बो॑ध॒यता॑तिथिं । |
| TS 4.2.3.2 - Vaakyam<br>Line No: - 3<br>Panchaati No. - 11         | अ॒भि॒ यः॑ पू॒रुं                   | अ॒भि॒ यः॑ पू॒रुं                   |
| TS 4.2.3.4 - Vaakyam<br>Line No: - 8<br>Panchaati No. - 13         | पी॑यति॒ त्वो॒ अनु॑ ( ) त्वो॑       | पी॑यति॒ त्वो॒ अनु॑ ( ) त्वो॑       |
| TS 4.2.4.1 - Vaakyam<br>Line No: - Last Line<br>Panchaati No. - 14 | आ॒त्मा॒ वो॑ अस्तु॒ - [ ] 14        | आ॒त्मा॒ वो॑ अस्तु॒ - [ ] 14        |

|   |                                      |                                      |
|---|--------------------------------------|--------------------------------------|
| TS 4.2.7.3 - Vaakyam<br>Line No: - 2<br>Panchaati No. - 31  | त्वे॑ इ॒षः॑ सं॒ दधु॑-भूरि॒रित॑स      | त्वे॑ इ॒षः॑ सं॒ दधु॑-भूरि॒रित॑स      |
| TS 4.2.9.3 - Vaakyam<br>Line No: - 2<br>Panchaati No. - 38  | मधु॑ क्षरन्ति॒ सिन्ध॑वः ।            | मधु॑ क्षरन्ति॒ सिन्ध॑वः ।            |
| TS 4.2.10.2 - Vaakyam<br>Line No: - 6<br>Panchaati No. - 43 | श॒त॒धा॒र॒मु॒थ्-सं॑ व्य॒च्य॒मा॒नं॑    | श॒त॒धा॒र॒मु॒थ्-सं॑ व्य॒च्य॒मा॒नं॑    |
| TS 4.3.2.2 - Vaakyam<br>Line No: - 3<br>Panchaati No. - 3   | स॒प्त॒द॒शा॒द् वै॒रू॒पं॑ वै॒रू॒पा॒द्  | स॒प्त॒द॒शा॒द् वै॒रू॒पं॑ वै॒रू॒पा॒द्  |
| TS 4.3.2.2 - Vaakyam<br>Line No: - 6<br>Panchaati No. - 3   | वै॒रा॒जं॑ वै॒रा॒जा॒ज्ज॒म॒द॒ग्नि॑र्.  | वै॒रा॒जं॑ वै॒रा॒जा॒ज्ज॒म॒द॒ग्नि॑र्.  |
| TS 4.3.5.1 - Vaakyam<br>Line No: - 6<br>Panchaati No. - 10  | सि॒हो॑ व॒य इ॒च्छ॑न्दि                | सि॒हो॑ व॒य इ॒च्छ॑दि                  |
| TS 4.3.8.1 - Vaakyam<br>Line No: - 3<br>Panchaati No. - 15  | द्वा॒वि॒शः॑ सं॒भ॒र॒ण॒स्त्र॒यो॒वि॒शो॑ | द्वा॒वि॒शः॑ सं॒भ॒र॒ण॒स्त्र॒यो॒वि॒शो॑ |
| TS 4.3.11.2 - Vaakyam<br>Line No: - 4<br>Panchaati No. - 22 | ता॒सा॒ स्व॑सृ॒र॒ज॒न॒य॑त्             | ता॒सा॒ स्व॑सृ॒र॒ज॒न॒य॑त्             |

|   |  |  |
|---|--|--|
| TS 4.3.11.3 - Vaakyam<br>Line No: - 5<br>Panchaati No. - 23         | हन्ताऽसुराणा-मभवच्छचीभिः ॥   | हन्ताऽसुराणा-मभवच्छचीभिः ॥   |
| TS 4.3.13.4 - Vaakyam<br>Line No: - Last Line<br>Panchaati No. - 32 | अग्ने यदद्य विशो   | अग्ने यदद्य विशो   |
| TS 4.4.2.1 - Vaakyam<br>Line No: - 5<br>Panchaati No. - 4           | प्रउगमुक्थमव्यथयथ् स्तभ्नातु   | प्रउगमुक्थमव्यथयथ् स्तभ्नातु   |
| TS 4.4.2.2 - Vaakyam<br>Line No: - extra lines<br>Panchaati No. - 5 | मरुत्वतीयमुक्थ-मव्यथयथ् स्तभ्नातु<br>वैरूप् साम प्रतिष्ठित्यायै स्वराड्<br>स्युदीची दिग् विश्वे ते देवा<br>अधिपतयो वरुणः हेतीनाम् प्रतिध<br>तैकविंश स्त्वा स्तोमः पृथिव्याम्<br>श्रयतु | This Part is repeated twice in the same panchaati. The repeated part is removed. |
| TS 4.4.2.2 - Vaakyam<br>Line No: - 1<br>Panchaati No. - 5           | देवा अधिपतयः सोमो  | देवा अधिपतयः सोमो  |

|  |                                   |                                   |
|--|-----------------------------------|-----------------------------------|
| TS 4.4.3.3 - Vaakyam<br>Line No: - 2<br>Panchaati No. - 9          | नमः॑ समु॒द्रस्य॑ चक्ष॒से          | नमः॑ समु॒द्रस्य॑ चक्ष॒से          |
| TS 4.4.4.1 - Vaakyam<br>Line No: - Last Line<br>Panchaati No. - 10 | अ॒बा॒द्ध्य॒ग्निः॑ समि॒धा ज॒नानां॑ | अ॒बा॒द्ध्य॒ग्निः॑ समि॒धा ज॒नानां॑ |
| TS 4.4.4.3 - Vaakyam<br>Line No: - 3<br>Panchaati No. - 12         | न॒रस्त्रि॑ष॒धस्थे॑ समि॒न्धते॑ ।   | न॒रस्त्रि॑ष॒धस्थे॑ समि॒न्धते॑ ।   |
| TS 4.4.10.2 - Vaakyam<br>Line No: - 1<br>Panchaati No. - 27        | हस्तो॑ नक्ष॒त्रं स॒विता           | हस्तो॑ नक्ष॒त्रं स॒विता           |
| TS 4.4.11.2 - Vaakyam<br>Line No: - 1<br>Panchaati No. - 30        | द्या॒वापृ॑थि॒वी शै॑शि॒रावृ॒तू     | द्या॒वापृ॑थि॒वी शै॑शि॒रावृ॒तू     |
| TS 4.6.1.4 - Vaakyam<br>Line No: - 5<br>Panchaati No. - 4          | येभ्यो॑ न॒र्ते प॒वते॑ धाम         | येभ्यो॑ न॒र्ते प॒वते॑ धाम         |
| TS 4.6.2.1 - Vaakyam<br>Line No: - 2<br>Panchaati No. - 6          | प॒रम॑च्छ॒दो व॒र आ                 | प॒रम॑च्छ॒दो व॒र आ                 |
| TS 4.6.3.1 - Vaakyam<br>Line No: - 5<br>Panchaati No. - 12         | तम॑ग्ने॒ वर्द्ध॑या॒ त्वं ।        | तम॑ग्ने॒ वर्द्ध॑या॒ त्वं ।        |
| TS 4.6.3.3 - Vaakyam<br>Line No: - 4<br>Panchaati No. - 14         | दे॒वा दे॒वेभ्यो॑ अ॒ध्व॒र्यन्तो॑   | दे॒वा दे॒वेभ्यो॑ अ॒ध्व॒र्यन्तो॑   |

|  |                                  |  |
|--|----------------------------------|--|
| TS 4.6.3.3 - Vaakyam<br>Line No: - 5<br>Panchaati No. - 6  | अ॒शि॒षो॑ नो जुषन्तां ॥           | आ॒शि॒षो॑ नो जुषन्तां ॥                                   |
| TS 4.6.3.3 - Vaakyam<br>Line No: - 6<br>Panchaati No. - 14 | ए॒ष दि॒वो म॒द्ध्य॑ आस्त          | ए॒ष दि॒वो म॒द्ध्य॑ आस्त                                  |
| TS 4.6.3.4 - Vaakyam<br>Line No: - 3<br>Panchaati No. - 15 | म॒द्ध्ये॑ दि॒वो नि॒हितः॑         | म॒द्ध्ये॑ दि॒वो नि॒हितः॑                                 |
| TS 4.6.4.1 - Vaakyam<br>Line No: - 4<br>Panchaati No. - 16 | तथ् स॒ह॒ध्वं॑ यु॒धो नर॑          | तथ् स॒ह॒ध्वं॑ यु॒धो नर॑                                  |
| TS 4.6.4.2 - Vaakyam<br>Line No: - 2<br>Panchaati No. - 17 | जय॑न्न॒स्माक॑-मे॒द्ध्य॑वि॒ता     | जय॑न्न॒स्माक॑-मे॒द्ध्य॑वि॒ता                             |
| TS 4.6.4.4 - Vaakyam<br>Line No: - 2<br>Panchaati No. - 19 | मघ॑व॒न्ना-यु॒धा॒न्नु॒थ्स॑त्व॒नां | मघ॑व॒न्ना-यु॒धा॒न्नु॒थ्स॑त्व॒नां<br>(extra "न्" deleted) |
| TS 4.6.5.2 - Vaakyam<br>Line No: - 7<br>Panchaati No. - 22 | अ॒न्त॒र्वि॑ भाति॒ दे॒वा          | अ॒न्त॒र्वि॑ भाति॒ दे॒वा                                  |
| TS 4.6.8.1- Vaakyam<br>Line No: - 1<br>Panchaati No. - 39  | मा नो॑ मि॒त्रो वरु॑णो            | मा नो॑ मि॒त्रो वरु॑णो                                    |

|   |                                     |  |
|---|-------------------------------------|--|
| TS 4.7.10.2 - Vaakyam<br>Line No: - 1<br>Panchaati No. - 18 | ऽन॒ड्वां॑ च॒ मे॒ धे॒नुश्च॑ म॒       | ऽन॒ड्वान् च॒ मे॒ धे॒नुश्च॑ म॒              |
| TS 4.7.12.1 - Vaakyam<br>Line No: - 1<br>Panchaati No. - 21 | प्र॒दि॒श॒श्च॑त॒स्रो॑ वा॒ परा॒वतः॑ । | प्र॒दि॒श॒श्च॑त॒स्रो॑ वा॒ परा॒वतः॑ ।        |
| TS 4.7.14.3 - Vaakyam<br>Line No: - 4<br>Panchaati No. - 31 | य॒ज॒मा॒नन् न्य॒र्थात् ॥             | य॒ज॒मा॒नं न्य॒र्थात् ॥ ( it is anuswaram ) |



## Taittirilya SamhitA – TS 4 Sanskrit Corrections – Observed till 31st August 2019.

(ignore those which are already incorporated in your book's version and date)

| Section, Paragraph Reference                       | As Printed                            | To be read as or corrected as   |
|--|---------------------------------------|---|
| TS 4.1.8.6 - Vaakyam<br>34 <sup>th</sup> Panchaati | दे॒वानां॑ नि॒रव॑र्त्ततासुरेकः॑ कस्मै॑ | दे॒वानां॑ नि॒रव॑र्त्ततासुरेकः॑ कस्मै॑<br>(only one "त" , insteas of two ) |
| TS 4.1.8.6- Vaakyam<br>34 <sup>th</sup> Panchaati  | दे॒व ए॒क आ॒सीत् कस्मै॑                | दे॒व ए॒क आ॒सीत् कस्मै॑  |
| TS 4.2.1.4 - Vaakyam<br>4th Panchaati              | व्र॒ते त॒वाना॑गसो॒ अदि॑तये            | व्र॒ते त॒वाना॑गसो॒ अदि॑तये  |
| TS 4.2.3.2 - Vaakyam<br>11th Panchaati             | दै॒व्यो ति॒थिः शि॒वो नः॑ ।            | दै॒व्यो अ॒तिथिः॑ शि॒वो नः॑ ।<br>(missing "अ" inserted)                    |
| TS 4.2.3.3 - Vaakyam<br>12th Panchaati             | ज्यो॑तिष्मान् पु॒नरा॑ऽसदेः॑ ॥         | ज्यो॑तिष्मान् पु॒नरा॑ऽसदः॑ ॥  |
| TS 4.2.4.4 - Vaakyam<br>17th Panchaati             | बृ॒हस्प॑तिरस्मिन् यो॒नाव॑सीषदन् ॥     | बृ॒हस्प॑तिरस्मिन् यो॒नाव॑सीषदन् ॥<br>(lower swaram removed)               |

|  |                               |                               |
|--|-------------------------------|-------------------------------|
| TS 4.2.5.2 - Vaakyam<br>19th Panchaati | वैश्वानर स्वाहा ॥             | वैश्वानर स्वाहा ॥             |
| 4.3.5.1-Vaakyam<br>10th Panchaati      | छन्दः पष्ठवाङ्वयो             | छन्दः पष्ठवाद् वयो            |
| 4.3.10.2-Vaakyam<br>19th Panchaati     | पशवोऽसृज्यन्त बृहस्पतिरधिपति- | पशवोऽसृज्यन्त बृहस्पतिरधिपति- |
| 4.3.10.2-Vaakyam<br>19th Panchaati     | ऽधिपतिरासीत् पञ्चविंशत्या     | ऽधिपतिरासीत् पञ्चविंशत्या     |
| 4.3.10.2-Vaakyam<br>19th Panchaati     | द्यावापृथिवी व्यै- [ ] 19     | द्यावापृथिवी व्यै- [ ] 19     |

Missing lines in "TS 4.3.13.5 Vaakyam, 33<sup>rd</sup> Panchaati" inserted now. (Missing lines are indicated in green colour). (Note: Lines are not missing in Tamil & Malayalam versions)

शोचे वेष्ट्वं हि यज्वा । ऋता यजासि महिना वि यद्भूरुहव्या वह यविष्ठ या ते अद्य ।  
अग्निना रयिमश्नवत् पोषमेव दिवेदिवे । यशसं वीरवत्तमं ।



Missing lines in "TS TS 4.4.2.2 Vaakyam" inserted now. (Missing lines are indicated in green colour). (Note: Lines are not missing in Tamil & Malayalam versions)

पृथिव्या७ श्रयतु मरुत्वतीयमुक्थ-मव्यथयथ् स्तभ्नातु वैरूप् साम प्रतिष्ठित्यायै  
 स्वराडस्युदीची दिग् विश्वे ते देवा अधिपतयो वरुणः हेतीनाम् प्रतिधर्तैकवि७श  
 स्त्वा स्तोमः पृथिव्याम् श्रयतु

|  |                                       |                                       |
|--|---------------------------------------|---------------------------------------|
| TS 4.4.3.1 - Vaakyam<br>7th Panchaati  | द॒ङ्घ्ण॑वः प॒शवो॑ हे॒तिः              | द॒ङ्घ्ण॑वः प॒शवः॑ हे॒तिः              |
| TS 4.4.3.1 - Padam<br>7th Panchaati    | द॒ङ्घ्ण॑वः । प॒शवः॑ । हे॒तिः ।        | द॒ङ्घ्ण॑वः । प॒शवः॑ । हे॒तिः ।        |
| TS 4.4.3.2 - Vaakyam<br>8th Panchaati  | वि॒द्युद्धे॑तिर-व॒स्पू॑र्जन् प्रहे॒ति | वि॒द्युद्धे॑तिर-व॒स्फू॑र्जन् प्रहे॒ति |
| TS 4.4.4.1 - Vaakyam<br>10th Panchaati | त्वाम॑ग्ने पु॒ष्करा॑द॒ध्यथ॑र्वा       | त्वाम॑ग्ने पु॒ष्करा॑द॒ध्यथ॑र्वा       |
|  |                                       |                                       |

|  |  |   |
|--|--|---|
| TS 4.4.4.2 - Vaakyam<br>11th Panchaati     | घृ॒तप्र॑ती॒को बृ॒हता॑ दि॒वि॒स्पृ॒शा॑     | घृ॒तप्र॑ती॒को बृ॒हता॑ दि॒वि॒स्पृ॒शा॑        |
| TS 4.4.4.5 - Vaakyam<br>14th Panchaati     | उ॒द्द॒हू॒मा॒सो अ॒रु॒षा॒सो दि॒वि॒स्पृ॒शः॑ | उ॒द्द॒हू॒मा॒सो अ॒रु॒षा॒सो दि॒वि॒स्पृ॒शः॑    |
| TS 4.4.4.7 - Vaakyam<br>16th Panchaati     | ऐ॒भि॒र्नो॑ अ॒र्के॑र्भ॒वा                 | ऐ॒भि॒र्नो॑ अ॒र्के॑र्भ॒वा                    |
| TS 4.4.5.1 - Vaakyam<br>18th Panchaati     | यु॒न॒ज्य॑बा॒ दु॒ला॑ नि॒त॒न्नि॑           | यु॒न॒ज्य॑बा॒ दु॒ला॑ नि॒त॒न्नि॑              |
| TS 4.4.6.2 - Vaakyam<br>21st Panchaati     | ग्ने॒र्या॒न्य॑सि॒ वा॒ना॒म॒ग्ने॒या॒न्य॑सि | ग्ने॒र्या॒न्य॑सि॒ दे॒वा॒ना॒म॒ग्ने॒या॒न्य॑सि |
| TS 4.4.11.1 -<br>Vaakyam<br>29th Panchaati | ज्यै॒ष्ठ्य॑य॒ स॒व॒र॒ता- [ ] 29           | ज्यै॒ष्ठ्या॑य॒ स॒व॒र॒ता- [ ] 29             |
| 4.6.2.3 - Vaakyam<br>8th Panchaati         | त॒मि॒द्र॒र्भ॑ प्र॒थ॒मं द॑द्ध             | त॒मि॒द्र॒र्भ॑ प्र॒थ॒मं द॑द्ध                |
| 4.6.2.4 - Vaakyam<br>9th Panchaati         | आदि॑ या॒वा॒पृ॒थि॒वी॑ अ॒प्र॒थे॑तां ।      | आदि॑ द्या॒वा॒पृ॒थि॒वी॑ अ॒प्र॒थे॑तां ।       |

|   |                                       |  |
|---|---------------------------------------|--|
| 4.6.3.3 - Vaakyam<br>14th Panchaati                 | श॒मि॒त्रे॒ श॒मि॒ता॒ य॒ज॒द्ध्यै॑ ।     | श॒मि॒त्रे॒ श॒मि॒ता॒ य॒ज॒द्ध्यै॑ ।                  |
| 4.6.4.1 - Vaakyam<br>16th Panchaati                 | घ॒ना॒घ॒नः॒ क्षो॒भ॒ण॒श्च॒र्ष॒णी॒नां॑ । | घ॒ना॒घ॒नः॒ क्षो॒भ॒ण॒श्च॒र्ष॒णी॒नां॑ ।              |
| 4.6.5.1 - Vaakyam<br>21st Panchaati<br>(first line) | प्रा॒ची॒म॒नु॒ प्रा॒दि॒शं॑ प्रेहि      | प्रा॒ची॒म॒नु॒ प्र॒दि॒शं॑ प्रेहि<br>(it is hraswam) |
| 4.6.5.2 - Vaakyam<br>22nd Panchaati                 | सु॒व॒र्य॒न्तो॒ ना॒पे॒क्ष॒न्त॒ आ       | सु॒व॒र्य॒न्तो॒ ना॒पे॒क्ष॒न्त॒ आ                    |
| 4.7.4.1 - Vaakyam<br>7th Panchaati                  | जै॒त्रं॑ च॒ म॒ औ॒द्भि॒द्यं॑ च॒ मे     | जै॒त्रं॑ च॒ म॒ औ॒द्भि॒द्यं॑ च॒ मे                  |
| 4.7.10.1 - Vaakyam<br>17th Panchaati                | प॒ष्ठ॒वा॒ट् च॑ मे॒ प॒ष्ठौ॒ही          | प॒ष्ठ॒वा॒च् च॑ मे॒ प॒ष्ठौ॒ही                       |



## Taittirya Samhita – TS 4 Sanskrit Corrections – Observed till 15<sup>th</sup> April 2019

(ignore those which are already incorporated in your book's version and date)

| Section,<br>Paragraph<br>Reference     | As Printed       | To be read as or corrected as |
|--|------------------|-------------------------------|
| 4.2.3.2<br>11th Panchaati              | तिथिः            | अतिथिः (“अ” added)            |
| 4.2.3.3<br>12th Panchaati              | पुनराऽसदेः       | पुनराऽसदः                     |
| 4.3.3.1<br>5th Panchaati               | वर्तनि-दित्यवाङ् | वर्तनि-दित्यवाङ्              |
| 4.3.13.1<br>29th Panchaati             | सूर्यस्य – [ ]   | सूर्यस्य । (“ruk stop” added) |
| 4.3.13.4<br>32 <sup>nd</sup> Panchaati | अग्ने यदद्य      | अग्ने यदद्य                   |
| 4.4.4.1<br>10th Panchaati              | पुष्करादध्यथर्वा | पुष्करादध्यथर्वा              |
| 4.4.4.6<br>15th Panchaati              | देवाजरं ।        | देवाजरं ।                     |

|                            |                        |                        |
|----------------------------|------------------------|------------------------|
| 4.4.4.7<br>16th Panchaati  | ऐभिर्नो॑ अ॒र्के॑र्भवा॑ | एभिर्नो॑ अ॒र्के॑र्भवा॑ |
| 4.4.11.2<br>30th Panchaati | द्यावा॑पृथि॒वी         | द्यावा॑पृथि॒वी         |
| 4.6.1.4<br>4th Panchaati   | येभ्यो॑ न॒र्ते॑ पव॒ते  | येभ्यो॑ न॒र्ते॑ पव॒ते  |
| 4.6.1.5<br>5th Panchaati   | शिवो॑ भव॑              | शिवो॑ भव॑              |
| 4.6.2.1<br>6th Panchaati   | पर॑मच्छदो॒             | पर॑मच्छदो॒             |
| 4.6.2.3<br>8th Panchaati   | तमि॑द्र॒र्भ॑           | तमि॑द्र॒र्भ॑           |
| 4.6.3.3<br>14th Panchaati  | अशि॑षो                 | आशि॑षो                 |
| 4.6.4.1<br>16th Panchaati  | क्षोभ॑ण-श्च॒र्ष॑णीनां  | क्षोभ॑ण-श्च॒र्ष॑णीनां  |

|                            |                   |  |
|----------------------------|-------------------|--|
| 4.6.5.2<br>22nd Panchaati  | नापेक्षन्त आ      | नापेक्षन्त आ   |
| 4.6.5.2<br>22nd Panchaati  | अन्तर्वि भाति     | अन्तर्वि भाति  |
| 4.6.8.1<br>39th Panchaati  | मा नो मित्रो      | मा नो मित्रो   |
| 4.7.13.3<br>26th Panchaati | आ वचो             | आ वाचो   |
| 4.7.15.5<br>37th Panchaati | नो मुञ्चन्त्वेनसः | नो मुञ्चन्त्वेनसः ।<br>(missing "ruk stop" mark added) |



## Taittirya Samhita – TS 4 Sanskrit Corrections –Observed till 31<sup>st</sup> January 2019

(ignore those which are already incorporated in your book's version and date)

| Section,<br>Paragraph<br>Reference   | As Printed                       | To be read as or corrected as    |
|--------------------------------------|----------------------------------|----------------------------------|
| 4.1.1.1<br>1 <sup>st</sup> Panchaati | स॒वि॒ता प्र॒सु॒व॒ति॒ तान् ।      | स॒वि॒ता प्र॒सु॒वा॒ति॒ तान् ।     |
| 4.2.9.3<br>38th Panchaati            | मा॒ध्वी॒र्नः॑ स॒न्त्वो॒ष॒धीः॑    | मा॒ध्वी॒र्नः॑ स॒न्त्वो॒ष॒धीः॑    |
| 4.4.2.1 last line<br>4th Panchaati   | स॒म्रा॒ड॒सि॑ प्रा॒ती॒ची          | स॒म्रा॒ड॒सि॑ प्र॒ती॒ची           |
| 4.4.4.5<br>14th Panchaati            | ई॒शा॒नः॑ स॒हसो॑ य॒हो ।           | ई॒शा॒नः॑ स॒हसो॑ य॒हो ।           |
| 4.4.4.6<br>15th Panchaati            | शु॒क्र॒स्य॑ ज्यो॒तिष॑स्त॒पे ।    | शु॒क्र॒स्य॑ ज्यो॒तिष॑स्प॒ते ।    |
| 4.5.10.5<br>25th Panchaati           | हे॒तयो॑ऽन्य-म॒स्मन्नि॑ व॒प॒न्तु  | हे॒तयो॑ऽन्य-म॒स्मन्नि॑ व॒प॒न्तुः |
| 4.7.3.1<br>5th Panchaati             | शं॑ च॒ मे॒ मय॑श्च॒ मे॒ प्रि॑यं च | शं॑ च॒ मे॒ मय॑श्च॒ मे॒ प्रि॑यं च |

|                            |                                   |                                   |
|----------------------------|-----------------------------------|-----------------------------------|
| 4.7.5.1<br>9th Panchaati   | अ॒श्मा॑ च॒ मे॒ मृ॒त्ति॑का         | अ॒श्मा॑ च॒ मे॒ मृ॒त्ति॑का         |
| 4.7.14.1<br>29th Panchaati | म॒ह्यं॑ नमन्तां प्र॒दिश॑श्च॒तस्र॑ | म॒ह्यं॑ नमन्तां प्र॒दिश॑श्च॒तस्र॑ |
| 4.7.15.2<br>34th Panchaati | स॒त्य॑ध॒र्मा॑ मि॒थु॒श्च॑रन्त      | स॒त्य॑ध॒र्मा॑ मि॒थु॒श्च॑रन्त      |
| 4.7.15.4<br>36th Panchaati | दे॒वौ॑ दे॒वेष्व॑-नि॒शित॑          | दे॒वौ॑ दे॒वेष्व॑-नि॒शित॑          |

=====